Unit – 3

(रेखाचित्र)

पीपल

— अज्ञेय

Q→ पीपल संस्मरण के सारांश पर प्रकाश डालिए।

⇒ प्रस्तुत संस्मरण में अज्ञेय ने अपनी प्राकृतिक संवेदनशीलता, सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता तथा दार्शनिकता का परिचय दिया है। पीपल और उस पर उड़ती - फुदकती चिड़ियां संवेदनशील रचनाकारों के लिए ही स्मृति - वस्तु हो सकती है। पीपल को घंटों निहारते उन्होंने अनुभव किया कि शान्त स्थिर वातावरण में भी पीपल का एक पत्ता चंचल रहता है, इसी प्रकार जब घोर तूफान की स्थिति में भी उसका एक पत्ता अवश्य ही स्थिर और अचल रहता होगा। उन्होंने पीपल की खूबियों के साथ उसके देवत्व को भी प्रकट किया है। वे लिखते हैं — जिस प्रकार पीपल अपने अंदर स्थिरता और चंचलता दोनों को धारण कर सकता है, इसी प्रकार गहरी - से - गहरी जड़ता के भीतर भी गति का एक बीज चेतनामय होना अनिवार्य है इसी प्रकार व्यापक चलायमान स्थिति के बीच में कहीं न कहीं एक छोटा अचल शान्ति का द्वीप या ध्रुव बिंदु होना भी उतना ही अनिवार्य है। पीपल संस्मरण में अज्ञेय ने पक्षियों, परजीवियों और वट तथा पीपल के माध्यम से मानव जीवन में प्रकृति के विशाल महत्व की ओर इंगित किया है।